उन सभी धर्मों पर विचार करें जो दावा करते हैं कि भगवान मूर्ति में नहीं हो सकते हैं। ठीक है।
अगर हम उनसे पूछते हैं,' क्या आपका धर्म स्वीकार करता है कि भगवान हर जगह मौजूद है? '
जवाब है, 'निश्चित रूप से हाँ!'
हिंदू भी कहता है कि ऐसी भी जगह या वस्तु नही है जहा भगवान मौजूद न हो। भगवान सबकुछ व्याप्त करता है।
'लेकिन यह चर्चा मूर्ति के बारे में है, है ना?
'क्या मूर्ति सब कुछ में शामिल नहीं है? सबकुछ! सबकुछ का मतलब है सबकुछ! मूर्ति सबकुछ में शामिल है!'
'चूँकि ईश्वर हर जगह मौजूद है और मूर्तियों को हर जगह शामिल किया जाता है, इसका मतलब है कि यह स्वीकार करने में कोई समस्या नहीं है कि ईश्वर मूर्ति में है।'
'लेकिन भगवान की मूर्ति नहीं हो सकती'।
'यह विरोधाभास है। अगर ईश्वर मूर्ति में मौजूद है, तो मूर्ति बहुत अच्छी तरह से भगवान का प्रतिनिधित्व कर सकती है। समस्या कहां है? '
www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132
'मक्का, मदीना, यरूशलेम क्या है?'
'पवित्र शहर!'
'कुछ धर्मों का कहना है कि किसी को इन शहरों के लिए तीर्थयात्रा क्यों लेनी चाहिए?'
भगवान को एक शहर में क्यों सीमित करना चाहिए और मस्जिदों , चर्चों , प्रार्थनास्थलों का क्या प्रयोजन?
'भगवान इन शहरों तक ही सीमित नहीं है, ल
वह हर जगह मौजूद है ।'
'ओह! यदि वह हर जगह मौजूद है, तो वह आपके घर में भी मौजूद है। क्या आपके घर में भगवान मौजूद है पवित्र शहरों में मौजूद भगवान से अलग है? '

' 'नहीं, एक ही भगवान हर जगह मौजूद है!'
'अगर घर में भगवान मौजूद हैं, तो बताइएं कि हज करना अनिवार्य क्यों है? घर में भगवान की पूजा क्यों नहीं की जा सकती? क्यों? '
'ताकि हम ईश्वर को कम से कम सोचें कि हम भगवान के शहर में है।'
'तब समस्या क्या है जब हिंदू कहता है कि जब आप मूर्ति देखते हैं तो आप ईश्वर को सोचते हैं कि भगवान मूर्ति में मौजूद है? मूर्ति पत्थर की या किसी और चीज से बनी हो। हिंदू का कहना है कि मूर्ति सिर्फ बाह्य उत्तेजना है जो हमे भगवान की याद दिलाती है। '

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132

इस चर्चा से यह पता चलता है कि
1. भगवान हर जगह मौजूद है, इसलिए वह मूर्ति में मौजूद है।
2. चूंकि ईश्वर मूर्ति में मौजूद है, इसलिए मूर्ति पूजा सभी धर्मों के लिए स्वीकार्य है, जो अनुयायी इसके विपरीत दावा करते हैं वे अपने धर्म के खिलाफ बोल रहे है क्यूंकि हर धर्म कहता है कि भगवान हर जगह मौजूद है। ऐसे लोग धर्म के पवित्र पुस्तकों में लिखे गए उस वाक्यों के खिलाफ बोल रहे हैं जो कहते है कि ऐसा एक भी परमाणु नहीं है जिसमें भगवान मौजूद नही हैं। उन्हें दंड मिलेगा क्योंकि वे अपने अल्लाह या भगवान का अनादर करने का गंभीर पाप कर रहे हैं।